



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3145]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 8, 2018/श्रावण 17, 1940

No. 3145]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 8, 2018/SHRAVANA 17, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 08 अगस्त, 2018

सं. 27 / 2015-2020

विषय : प्रक्रिया पुस्तक 2015-2020 के पैरा 2.08 में संशोधन।

**का.आ. 3940(अ).**—विदेश व्यापार नीति (2015-2020) के पैरा 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार आयातक-निर्यातक कोड (आईईसी) के संबंध में प्रक्रिया पुस्तक (2015-20) के पैरा 2.08 और 2.14 के प्रावधान में निम्नानुसार संशोधन करते हैं:

मौजूदा पैरा	संशोधित
2.08 आईईसी हेतु आवेदन	2.08 आईईसी हेतु आवेदन
(क) ई-आयातक निर्यातक कोड (ईआईईसी) मंजूरी के लिए निर्यातकों/आयातकों को आयात निर्यात प्रपत्र 2क में डिजिटल हस्ताक्षर के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा जिसके साथ अपेक्षित दस्तावेज संलग्न करने होंगे और लागू शुल्क का भुगतान करना होगा। आईईसी हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा डीआईपीपी के ई-बिज पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध है।	(क) निर्यातक/आयातक आयात निर्यात प्रपत्र 2क में लागू शुल्क तथा अपेक्षित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करेंगे।
(ख) डीजीएफटी के वेबसाइट पर "ऑनलाइन आईईसी आवेदन" पर पुनः लॉग-इन करके तथा अपेक्षित दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रपत्र को पुनः	(ख) आईईसी सिस्टम ऑटो जनरेटेड होगा तथा आवेदक को ई-मेल और एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा कि कम्प्यूटर से जनरेटेड ई-आईईसी उसकी पंजीकृत ई-मेल आईडी पर उपलब्ध है। आवेदक आईईसी माड्यूल में लॉग-इन कर आवेदन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के पूरा होने के बाद अपने ई-आईईसी को देख तथा प्रिंट भी कर सकता है।
	(ग) आवेदक को आईईसी आवेदन सहित निम्नलिखित <a href="#">विवरण/दस्तावेजों</a> (जिसकी स्कैन्ड प्रतियों को प्रस्तुत/अपलोड किया जाना चाहिए) के साथ

<p>भरकर आवेदन पत्र की कमी को दूर किया जा सकता है।</p>	<p>ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना अपेक्षित है:</p> <p>(i) रद्द किया गया चेक जिस पर एएनएफ 2क (i) के निर्धारित प्रारूप में इकाई का पूर्व मुद्रित नाम अथवा बैंक प्रमाणपत्र दिया गया हो।</p> <p>(ii) आवेदक इकाई के पते का प्रमाण, जैसा आवेदन में उल्लिखित है।</p> <p>(iii) क्षेत्रीय प्राधिकारी (आरए) दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन आईईसी का बाद में सत्यापन करेंगे।</p>
<p><b>2.14 आयातक-निर्यातक कोड में संशोधन</b></p> <p>(क) ई-आईईसी/आईईसी में संशोधन केवल ऑनलाइन किया जा सकता है। अपने आईईसी में संशोधन कराने वाले आवेदकों को कहजिपदपबणपद पर लॉग-ऑन करना होगा और विक्क लिंक्स के अंतर्गत आयातक निर्यातक कोड (आईईसी) पर क्लिक करना होगा तथा अपने ई-आईईसी और वास्तविक रूप के आईईसी में संशोधन हेतु संबंधित क्षेत्राधिकार के क्षेत्रीय प्राधिकारी, जहां से आईईसी मूल रूप से जारी किया गया था, को अपेक्षित शुल्क का भुगतान करके तथा अपेक्षित दस्तावेज जमा करके "अपने आईईसी में संशोधन करें" का चयन करना होगा। क्षेत्रीय प्राधिकारियों और उनके क्षेत्राधिकार की सूची परिशिष्ट-1क में दी गई है।</p> <p>(ग) क्षेत्रीय प्राधिकारी आईईसी में संशोधन से संबंधित आवेदनों जिनमें पैन बदलना हो, के संबंध में यह सुनिश्चित कर विचार करेगा कि पिछले आवेदक/पिछली आवेदक फर्म की देयताएं उस नए आवेदक/नई आवेदक फर्म को हस्तांतरित कर दी गई हैं जिसका पैन संशोधित आईईसी में प्रदर्शित होगा। क्षेत्रीय प्राधिकारियों को संशोधित आईईसी के बारे में इसमें समाविष्ट परिवर्तित पैन सहित सभी संबंधित प्राधिकारियों को अवगत कराना चाहिए।</p> <p>(घ) क्षेत्रीय प्राधिकारी पावर ऑफ अटॉर्नी धारकों/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा किए गए डिजिटल हस्ताक्षर वाले आवेदनों का भी संज्ञान लेगा।</p>	<p><b>2.14 आयातक-निर्यातक कोड में संशोधन/रद्द करना</b></p> <p>(क) आईईसी/ ई-आईईसी में संशोधन केवल ऑनलाइन किया जा सकता है। अपने आईईसी/ई-आईईसी में संशोधन कराने वाले आवेदकों को dgft.nic.in पर लॉग-ऑन करना होगा और विक्क लिंक्स के अंतर्गत आयातक निर्यातक कोड (आईईसी) पर क्लिक करना होगा तथा अपने ई-आईईसी और वास्तविक रूप के आईईसी में संशोधन हेतु अपेक्षित शुल्क का भुगतान करके तथा अपेक्षित दस्तावेज के साथ "अपने आईईसी में संशोधन करें" का चयन करना होगा।</p> <p>आवेदक को संशोधन संबंधी आवेदन की हस्ताक्षरित प्रति अपलोड करने के अतिरिक्त किए जाने वाले परिवर्तनों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित दस्तावेज/दस्तावेजों को अपलोड करना होगा। ऑनलाइन आवेदन को अपलोड/प्रस्तुत करने से पूर्व संशोधन संबंधी आवेदन स्वामी/प्रबंधन भागीदार/विनिर्दिष्ट भागीदार/ निदेशक/ कंपनियों के मामले में कंपनी सचिव अथवा सोसाइटी के मुख्य कार्यकारी/प्रबंधन न्यासी/कर्ता जैसा मामला हो, द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।</p> <p>तथापि, (i) मौजूदा संख्यात्मक आईईसी को रद्द करने तथा ;पपद्ध मौजूदा संख्यात्मक आईईसी के पैन नंबर में संशोधन हेतु अनुरोध संबंधित क्षेत्राधिकार के क्षेत्रीय प्राधिकारी को किया जाना चाहिए। क्षेत्रीय प्राधिकारी (आरए) द्वारा एक बार पैन को संशोधित करने तथा केन्द्रीय सर्वर पर संशोधन दर्शाए जाने के बाद ऐसा आवेदक, यदि ऐसा वांछित हो, आगे ऑनलाइन संशोधन की मांग कर सकता है।</p> <p>(ग) क्षेत्रीय प्राधिकारी आईईसी (पूर्णतः संख्यात्मक), में संशोधन से संबंधित आवेदनों जिनमें पैन बदलना हो, के संबंध में यह सुनिश्चित करेगा कि पिछले आवेदक/ पिछली आवेदक फर्म की देयताएं उस नए आवेदक/नई आवेदक फर्म को हस्तांतरित कर दी गई हैं जिसका पैन संशोधित आईईसी में प्रदर्शित होगा।</p> <p>(घ) हटा दिया गया है।</p>

**सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:** आईईसी/आईईसी/ई-आईईसी में संशोधन हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। आगे से आईईसी सिस्टम जनरेटेड होगा तथा आवेदक के पास आईईसी का प्रिंट-आउट लेने की सुविधा होगी। इसके अलावा आईईसी आवेदनों को प्रस्तुत करने हेतु डिजिटल हस्ताक्षर की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है।

[फा. सं. 01/93/180/20/एएम-13/पीसी-2(ख)/ई-5200]

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

**MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

**PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 8th August, 2018

**No. 27/2015-2020****Subject : Amendment in Para 2.08 of the Handbook of Procedure 2015-2020.**

**S.O. 3940(E).**—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy (2015-2020), the Director General of Foreign Trade hereby amends the following provision in Para 2.08 and 2.14 of the Handbook of Procedure (2015-20) on Importer-Exporter Code (IEC) as under:

Existing Para	Revised Para
<p><b>2.08 Application for IEC</b></p> <p>(a) Exporters / Importers shall file an online application in ANF 2A format for grant of e-IEC with digital signatures along with requisite documents and paying the applicable fee. The facility of filing online application for IEC is also available through e-biz portal of DIPP.</p> <p>(b) Deficiency in the application form has to be removed by re-logging onto the “Online IEC application” on DGFT website and resubmitting the form along with the requisite documents.</p>	<p><b>2.08 Application for IEC</b></p> <p>(a) Exporters / Importers shall file online application in ANF 2A format with applicable fee and requisite documents.</p> <p><b>(b) IEC will be system auto generated and applicant will be informed through e-mail and sms that a computer generated e-IEC is available on its registered email id. Applicant can also view and print its e-IEC after completion of the submission process of application by logging into the IEC module.</b></p> <p><b>(c) The applicant is required to submit online application with the following details /documents (scanned copies to be submitted/ uploaded) along with the IEC application:</b></p> <p><b>(i) Cancelled cheque bearing entity’s pre-printed name or Bank certificate in prescribed format ANF-2A(I) ;</b></p> <p><b>(ii) Address proof of the applicant entity as detailed in the application.</b></p> <p><b>(d) RAs would conduct post-verification of online IECs as per the guidelines.</b></p>

<p>2.14 Modification of IEC</p> <p>(a) Modifications in e-IEC's/ IEC's can be done online only. Applicants seeking modification in their IEC's may log on to dgft.nic.in and click on Importer Exporter Code (IEC) under Quick Links and select "Modify your IEC" to amend their e-IEC's and IEC's in physical format by paying requisite fees and submitting requisite documents to the concerned jurisdictional RA, from where IEC was originally issued. List of RAs, along with their jurisdiction is given in Appendix 1A.</p> <p>(c) RAs shall consider applications seeking modification in IEC, involving change in PAN, by ensuring that liabilities of the previous applicant/applicant firm are transferred to the new applicant/applicant firm whose PAN will be reflecting in the modified IEC. RAs must also share the modified IEC, with the changed PAN incorporated in it, with all concerned authorities.</p> <p>(d) RAs shall also take cognizance of the applications digitally signed by power of attorney holders/authorised signatories.</p>	<p>2.14 Modification/Cancellation of IEC</p> <p>(a) Modifications in <b>IECs / e-IEC's</b> can be done online only. Applicants seeking modification in their IECs / e-IEC's may log on to dgft.nic.in and click on Importer Exporter Code (IEC) under Quick Links and select "Modify your IEC" to amend their e-IECs and IECs in physical format with applicable fees and requisite documents.</p> <p><b>Applicant shall upload relevant document/s to substantiate the changes sought to be made, besides uploading the signed copy of the modification application. The modification application has to be signed by Proprietor/ Managing Partner/ Designated Partner /Director / Company Secretary in case of companies or Chief Executive of the Society/ Managing Trustee / Karta as the case may be, before uploading/submitting the online application.</b></p> <p><b>However, request for (i) Cancellation of existing numeric IEC and (ii) PAN change in existing numeric IECs has to be made to the concerned jurisdictional Regional Authority. Once RAs have changed the PAN and the change is reflected on central server, such applicant can seek further modifications online, if any so desired.</b></p> <p>(c) RAs shall consider applications seeking modification in IEC (<b>all numeric</b>), involving change in PAN, by ensuring that liabilities of the previous applicant/applicant firm are transferred to the new applicant/applicant firm whose PAN will be reflecting in the modified IEC.</p> <p>(d) <b>Deleted.</b></p>
---	---

**Effect of the Notification:** Procedure for filling online application for IEC/ modification in IEC/e-IEC is laid down. IEC will henceforth be system generated and applicant will have the facility of taking a print out of IEC. Further, requirement of Digital Signature for submitting IEC applications is done away.

[F. No. 01/93/180/20/AM-13/PC-2(B)/e-5200]

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade